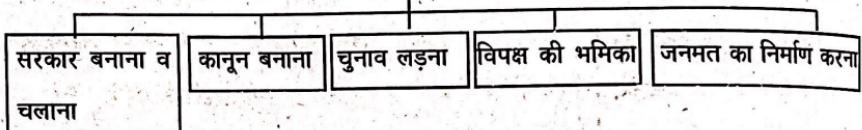


6. राजनीतिक दल

स्मरणीय तथ्य :-

- एक ऐसा संगठित समूह जो चुनाव लड़ने और राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से काम करती है, राजनीतिक दल कहलाता है।
- राजनीतिक दल के तीन प्रमुख हिस्से नेता, सक्रिय नेता और अनुयायी या समर्थक होते हैं।

प्र० । राजनीतिक दल के कार्य वितरण



प्र० २ राजनीतिक दलों की आवश्यकता क्या है?

- प्रतिनिधित्व पर आधारित (लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए आवश्यक)
- देश के प्रति उत्तरदायी सरकार के लिए आवश्यक।
- सरकार की नीतियों पर अंकुश लगाने के लिए।
- सरकार का समर्थन करने वाले घर अंकुश रखने हेतु।)
- जब समाज बड़े और जटिल हो जाते हैं तब उन्हें विभिन्न मुद्राओं पर अलग-अलग विचारों को समेटने और सरकार की नज़र में लाने के लिए राजनीतिक दलों की जरूरत होती है।

प्र० ३ प्रांतीय दल बनाम राष्ट्रीय दल

- जब कोई दल राज्य विधानसभा के चुनाव में पड़े कुल मतों का 6 फीसदी या उससे अधिक हासिल करती है और कम से कम दो सीटों पर जीत हासिल करती है तो उसे राज्य के राजनीतिक दल के रूप में मान्यता मिलती है।

अगर कोई दल लोकसभा-चुनाव में पड़े कुल वोट का अथवा चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में पड़े कुल वोटों का 6 प्रतिशत हासिल करता है और लोकसभा चुनाव में कम से कम चार सीटों पर जीत दर्ज करता है तो उसे राष्ट्रीय दल की मान्यता दी जाती है।

प्र०४

दलीय प्रणाली का वर्णन करें

प्र० ३०

1) कई देशों में एक ही दल को सरकार बनाने व चलाने की आजादी है। ऐसी व्यवस्था को हम एकदलीय व्यवस्था कहते हैं जैसे-चीन

2)

कुछ देशों में सत्ता दो मुख्य दलों के मध्य बदलती रहती है इसे दो दलीय व्यवस्था कहते हैं। जैसे अमरीका, ब्रिटेन

3)

जब अनेक दलों का सत्ता में आने का ठीक-ठाक अवसर हो तो उसे बहुदलीय व्यवस्था कहते हैं। जैसे - भारत

प्र०५ भारत के प्रमुख राष्ट्रीय दल (तालिका-६-१) का वर्णन करें

प्र०

1)

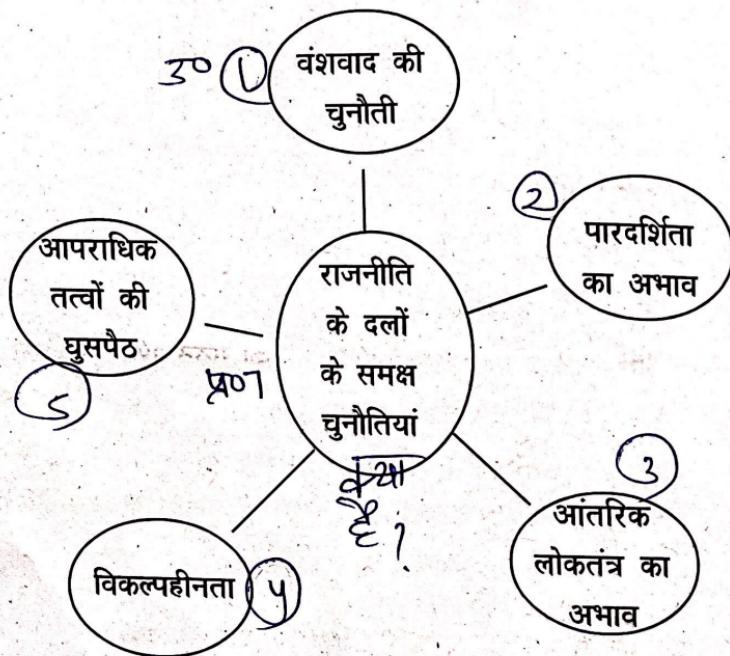
2)

| दल का नाम | चुनाव चिन्ह | स्थापना वर्ष | विचाराधारा के मुख्य तत्व | 2019 चुनाव में स्थिति |
|---------------------------|-------------|--------------|---|-----------------------|
| भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस | हाथ का पंजा | 1885 | मध्यमार्गी, धर्मनिरपेक्षता अल्पसंख्यक के समुदाय हितों की रक्षा | 52 सीटें लोकसभा में |
| भारतीय जनता पार्टी | कमल का फूल | 1980 | प्राचीन संस्कृति से प्रेरणा लेकर मजबूत और आधुनिक भारत बनाना। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, धर्मनिरपेक्षता, समान नागरिक संहिता। | 303 सीटें लोकसभा में। |

३)

| | | | | |
|----------------------------------|----------------------------|------|---|----------------------------|
| बहुजन समाज पार्टी | हाथी पार्टी | 1984 | बाबा साहब, फुले व व नेरियार के विचारों से प्रेरित। धर्मनिरपेक्षता अनुसूचित जाति व जनजाति के लिए विशेष प्रावधान एवं उनके हितों की रक्खा। | 10 सीटें लोकसभा में। |
| भारतीय कन्युनिट पार्टी(एम) | हसियां हथौड़ा सितारा | 1964 | मार्क्सवाद-लेनिनवाद में आस्था। समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र की समर्थक तथा साम्राज्यवाद और सांसदाधिकता का विरोध। | 3 सीटें लोकसभा में। |

पृष्ठ ०६ कांशीराम ने 1984 में बहुजन समाज पार्टी की नींव रखी।
1985 में संसद ने दल बदल कानून पारित किया उस समय समीक्षा गाँधी प्रधानमंत्री थे।



- पृष्ठ ०८ राजनीतिक दलों में सुधार हेतु कुछ सुझाव छात्रजी
- प्र० १
- दल बदल कानून को सख्त किया जाए।
 - आपराधिक प्रवृत्तियों के लोगों पर रोक लगे।
 - राजनीतिक दलों में समय-समय पर समाजिक चुनाव हो।
 - राजनीतिक दलों के आंतरिक कामकाज को पारदर्शी बनाए जाये।

• महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व मिलें।

5) • चुनाव का खर्च सरकार उठाए।
6)

1 अंक वाले प्रश्न :-

1. निम्नलिखित में से कौन सा एक राष्ट्रीय दल नहीं है?

- 1) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- 2) भारतीय जनता पार्टी
- 3) बहुजन समाज पार्टी

4) राष्ट्रीय जनता दल

10. અનુભવ કે આપણા મનના
11. અનુભવ કે આપણા મનના
12. અનુભવ કે આપણા મનના

जूस दल की मरकार होती है, उसे शासक दल कहते हैं।

१०. विद्यार्थिका के लिए किसी दल-विशेष से नियांचित होने वाले प्राप्तिनिधि को
उप दल को छोड़कर किसी अन्य दल से चले जाना।

ਜਾਥੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਕੀ ਕਿਸੇ ਭੀ ਟੇਲ ਕਰੋ ਸਮਝੇ ਬੁਝ੍ਹਾ ਤ ਨਹੀਂ ਚਿਲੰਗ ਵੀ ਹੈ

ਅਡਿਕ ਪ੍ਰਾਪਤੀਆਂ ਦੇ ਲਾਗ ਵਿਖਾਤ ਕੇ ਮਾਲ ਦੀ
ਅਧਿਕ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਦੇ ਲਾਗ ਵਿਖਾਤ ਕੇ ਸਾਥ ਸਿਲੰਗ

ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਕੀ ਕਿਸੇ ਭੀ ਟੇਲ ਕਰੋ ਸਮਝੇ ਬੁਝ੍ਹਾ ਤ ਨਹੀਂ ਚਿਲੰਗ ਵੀ ਹੈ।
ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਕੀ ਕਿਸੇ ਭੀ ਟੇਲ ਕਰੋ ਸਮਝੇ ਬੁਝ੍ਹਾ ਤ ਨਹੀਂ ਚਿਲੰਗ ਵੀ ਹੈ।

ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਕੀ ਕਿਸੇ ਭੀ ਟੇਲ ਕਰੋ ਸਮਝੇ ਬੁਝ੍ਹਾ ਤ ਨਹੀਂ ਚਿਲੰਗ ਵੀ ਹੈ।
ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਕੀ ਕਿਸੇ ਭੀ ਟੇਲ ਕਰੋ ਸਮਝੇ ਬੁਝ੍ਹਾ ਤ ਨਹੀਂ ਚਿਲੰਗ ਵੀ ਹੈ।

ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਕੀ ਕਿਸੇ ਭੀ ਟੇਲ ਕਰੋ ਸਮਝੇ ਬੁਝ੍ਹਾ ਤ ਨਹੀਂ ਚਿਲੰਗ ਵੀ ਹੈ।
ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਕੀ ਕਿਸੇ ਭੀ ਟੇਲ ਕਰੋ ਸਮਝੇ ਬੁਝ੍ਹਾ ਤ ਨਹੀਂ ਚਿਲੰਗ ਵੀ ਹੈ।

ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਕੀ ਕਿਸੇ ਭੀ ਟੇਲ ਕਰੋ ਸਮਝੇ ਬੁਝ੍ਹਾ ਤ ਨਹੀਂ ਚਿਲੰਗ ਵੀ ਹੈ।
ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਕੀ ਕਿਸੇ ਭੀ ਟੇਲ ਕਰੋ ਸਮਝੇ ਬੁਝ੍ਹਾ ਤ ਨਹੀਂ ਚਿਲੰਗ ਵੀ ਹੈ।